

स्वनः HARIV. 13676. BHĀG. P. 10, 13, 56. austreten SUÇR. 2, 263, 11. — 5) उद्धृत a) angeschwollen SUÇR. 2, 274, 17. मेघ MBH. 9, 469. स्तन Spr. 472 (zugleich in Wallung gerathen). hervorragend: सितोद्धृतोर्धद्विष्णु (शितद्वेष्टोर्धधारिन् die neuere Ausg.) HARIV. 12540. — b) in Wallung gerathen, aufgeregt: उद्धृतोर्मि MBH. 1, 1215. सलिलार्णव 7, 4498. 5186. 8, 2509. R. 5, 9, 13. 6, 75, 15. RAGH. ed. Calc. 7, 56. MĀRK. P. 9, 17. ऽनक्र (समुद्र) RAGH. 16, 79. पाकोद्धृतेषु दोषेषु SUÇR. 2, 7, 6. पवन 274, 11. कृदय R. 5, 76, 17. BHĀG. P. 10, 13, 56, v. l. — c) ausschweifend, ungebührlich sich benehmend, übermüthig: उद्धृतं सततं लोकां राजा दण्डेन शास्ति वै MBH. 1, 1718. 3, 1893. 13, 4765. 7194. Spr. 3246. VARĀH. BṚH. S. 19, 19. RĀGĀ-TAR. 3, 495. BHĀG. P. 10, 41, 35. पुत्र, गज KĀM. NĪTIS. 7, 6. अथ ते बलमुद्धृतं शमये ऽग्निमिवाम्भसा R. 4, 9, 78. अथर्म RĀGĀ-TAR. 6, 61. — d) fehlerhaft für उद्धृत weit geöffnet, aufgerissen: उद्धृतलोचन MBH. 7, 5406. उद्धृतनयन 9, 432. उद्धृतात्ति MĀRK. P. 14, 62. vielleicht auch als Bez. einer best. Stellung der Hände beim Tanze Verz. d. Oxf. H. 202, a, 25. — Nach H. a. n. 3, 252 ist उद्धृत = उत्तलित (d. i. उत्तुलित), परिभुक्त und उष्कित. — Vgl. उद्धर्त fgg. — caus. 1) zersprengen: अघ्नो फेनैर्न नमुचे: शिर इन्द्रोद्धर्तयः RV. 8, 14, 13. TBR. 1, 7, 4, 7. मुखेनाग्निना क्रुद्धो लोकानुद्धर्तयन्निव MBH. 3, 13608 (= HARIV. 699). 16233. दस्युसंधान 5, 1873. वेलामुद्धर्तयत्तीव (सागराः) 6, 106. HARIV. 10626. 13101. — 2) hinaus-schwingen oder schleudern KAUC. 16. — 3) anschwellen machen: उद्धर्तितेजसा so v. a. mit hervortretenden Augen KATHĀS. 29, 80. — 4) पद्भ्यामुद्धर्तितः der mit den Füßen sich Bewegung macht SUÇR. 2, 139, 12. — 5) salben (vgl. उद्धर्तन): शवशरीरमुद्धर्तितम् Spr. 209. SUBHĀSH. 73.

— समुद्र anschwellen: समुद्रत (महादधि) MBH. 2, 1488. — caus. anschwellen machen, in Wallung versetzen, aufregen: समुद्धर्तितवेगानां सागरापाम् R. 6, 19, 20.

— उप 1) darauf treten: स चेद्वप्रापाडुपवर्तत वा ĀÇV. ÇR. 10, 8, 3. — 2) herantreten, herankommen: कालो नर्वरश्रेष्ठ समीपमुपवर्तितुम् (समीपमुपगत्योपवर्तितुं ज्ञापयितुं प्रेषित इति शेषः Comm.) R. 7, 104, 13. उषस्युपवृत्तापाम् BHĀG. P. 10, 70, 1. an Jmd herantreten so v. a. treffen, zu Theil werden: उत्पन्नमिह लोके वै जन्मप्रभृति मानवम् । विविधान्युपवर्तते दुःखानि च सुखानि च ॥ Spr. 3773. नाधर्मणागमः कश्चिन्मनुष्यानुपवर्तते M. 1, 81, v. l. — 3) sich erholen: मुक्ता कृत्यान्पापयित्वापवृत्तान् । पुनर्युक्ता MBH. 1, 192. स्नातोपवृत्तैस्तुर्गैः 5, 7164. पीतोपवृत्ताः (कृयाः) 7, 4346. — 4) zappeln: उपवृत्तवृत्तशफरीकुल (अपवृत्त Comm.) KIR. 12, 50. — 5) आत्ममंसोपवृत्त von einem Todten gesagt wohl so v. a. sich vom eigenen Fleische nährend MBH. 12, 5726. — 6) AV. 19, 56, 3 wird उपवर्तत (von वर्त् mit उपा) zu betonen sein. — Vgl. उपवर्त् fgg. und उपवृत्ति. — caus. 1) hinstreichen (die Haare) TBR. 1, 5, 5, 7. — 2) sich erholen lassen: विपर्ययोपवर्तित (तुर्ग) KATHĀS. 94, 17.

— समुप sich benehmen, verfahren: कामवृत्तो ऽन्वयं लोकः कृत्स्नः समुपवर्तते Spr. 2608, v. l.

— नि 1) zurückkehren (auch vom Wiederkehren in dieses Leben, wiedergeboren werden) AV. 10, 1, 17. सद्योचीना नि वावृतुः RV. 1, 105, 10. यद्द प्रसर्गं त्रिकुम्भिवर्त् 121, 4. नि वर्तध्वं मानुं गात 10, 19, 1. नि वर्तस्व कृदयं तप्यते मे 95, 17. VS. 8, 42. TS. 5, 1, 6. 2. MBH. 2, 42. 2674. 3, 8450. 15774. fgg. 5, 7374. 13, 2756. R. 1, 9, 64. 2, 40, 47. 42, 12. 45, 14. वनात्तस्मात् 52, 94. R. GORR. 4,

9, 63. 4, 13, 20 (पुनर्). 5, 79, 11. KUMĀRAS. 4, 30. RAGH. 2, 40. ÇĀK. 8, 14, v. l. 70: 14. VIKR. 3. 66, 2. Spr. 398. 2547. 3549. 5218. VARĀH. BṚH. S. 6, 6. KATHĀS. 18, 94. 32, 48. 124. DAÇAK. 66, 14. 90, 6. गत्वा गत्वा निवर्तते चन्द्रसूर्याद्यो यद्वाः । अथ्यापि न निवर्तते त्वालोकाकाशमगताः ॥ SARVADARÇANAS. 40, 21. fgg. मनसः प्राप्यते ह्यात्मा यमाप्त्वा न निवर्तते MAITRĪJUP. 4, 3. NRS. TĀP. UP. in Ind. St. 9, 122. BHAG. 8, 21. 15, 6. SĀMĀKJAK. 39. एतमधानं पुनर्निवर्तते KĀND. UP. 5, 10, 5. संदेगृह्णम् RAGH. 3, 67. 9, 14. 11, 57. पुरीं द्वारवतीं प्रति MBH. 3, 785. 4, 866. आश्रमाय R. 1, 2, 23. BHĀG. P. 3, 17, 1. 23, 43. व्रजन्ति न निवर्तते स्त्रोतांसि सरिता यथा । आपुरादाय मर्त्यानां तथा राच्यकृनी सदा ॥ Spr. 2924. यायिन्यो न निवर्तते सतं मैत्र्यः सरित्समाः rückwärts gehen 345. न च निम्नादिव सलिलं निवर्तते मे ततो कृदयम् ÇĀK. 53, v. l. act. BHAG. 15, 4. MBH. 1, 3242. 3, 37. 15755. 16766. 16773. 16775. 16780. 16786. 12, 1911. HARIV. 4814. R. 1, 17, 21. 4, 43, 62. 7, 37, 5, 3. न्यवृत्तन्मनोभिः BHATT. 3, 17. निवृत्तर्ष्यन् 6, 5. निवृत्त MBH. 4, 142. R. 2, 24. 31. R. GORR. 2, 58, 36. 3, 50, 28. 70, 11. 76, 34. RAGH. 7, 61. 9, 82. ad MEGH. 112. स्वगृह्णम् PANĀT. 93, 25. HIT. 14, 12. दृष्ट्वा निवृत्तमादित्यं प्रवृत्तं चोत्तरायणम् MBH. 13, 7711. °कृदय 3, 2352. °यौवन RAGH. 8, 5. — 2) zurückkehren so v. a. abprallen: अश्मानमिव (आसाद्य) परप्रुः पातितः (निवर्तते) R. GORR. 2, 114, 32. निवृत्तः सागराच्छरः 3, 43, 24. — 3) fortgehen aus der Schlacht so v. a. den Rücken kehren, fliehen: रणान्निवृत्ते न च BHATT. 5, 102. MBH. 3, 12118. आकृवे ये न्यवर्तते 7, 1046. निवृत्त 5, 5964. अनिवृत्तयोधिन् 7, 5828. BHĀG. P. 6, 10, 33. — 4) sich abwenden: रामं मे ऽनुमता दृष्टिरथ्यापि न निवर्तते R. 2, 42, 33 (41. 28 GORR.). क्रिया चतुर्निवृत्ते मनस्तु न कथं च न KATHĀS. 12, 30. सर्वात्तःपुरवनिताव्यापारं प्रति निवृत्तकृदयस्य MĀLAY. 35. एनोनिवृत्तेन्द्रिय RAGH. 5, 23. स्वप्रनिवृत्तलौल्य 7, 58. निवृत्तं कर्म im Gegensatz zu प्रवृत्त eine jeglichem persönlichen Interesse abgewandte Handlung, eine Handlung, bei der man an keine Belohnung weder diesseits noch jenseits denkt, M. 12, 88. fgg. BHĀG. P. 4, 4, 20. 7, 15, 47. प्रवृत्तं च निवृत्तं च शास्त्रम् 4, 29, 13. enden mit, bei (abl.) VARĀH. BṚH. S. 102, 7. — 5) sich neigen (von der Sonne): निवृत्तश्च दिवाकरः MBH. 3, 16821. निवृत्ते किंचिदादित्ये R. GORR. 2, 54, 4. — 6) absteigen von Etwas (abl.) so v. a. Etwas einstellen, aufgeben: न सामि निवर्तते er höre nicht in der Mitte auf ÇAT. BR. 2, 3, 2, 14. यज्ञात् GOBH. 1, 4, 30. KENOP. 19. 23. M. 1, 53. सर्वमोसस्य भनपात् 5, 49. 10, 98. MBH. 5, 7308. रोषात् R. 2, 78, 24. तपसः R. GORR. 1, 63, 21. अनुक्रोशान्मृडवाच्च 3, 69, 2. Spr. 2558. 4762. नृत्यात् SĀMĀKJAK. 59. VARĀH. BṚH. S. 74, 14. गृह्णन्म KATHĀS. 12, 100. 42, 171. BHĀG. P. 3, 8, 21. प्रकृतेः MĀRK. P. 43, 6. PANĀT. 102, 8. तावदादाय निवर्तते SARVADARÇANAS. 2, 17. fgg. act. MBH. 5, 7310. 13, 4855. R. GORR. 1, 63, 2. 7, 13, 32. MĀRK. P. 113, 37. न्यवृत्तन् BHĀG. P. 5, 9, 8. न्यवृत्तन् BHATT. 1, 18. निवृत्त MBH. 2, 1770. R. GORR. 2, 35, 21. प्रतिप्रकृत् JĀGĀN. 3, 48. परस्त्रीभ्यः MBH. 7, 2762. 2764. 13, 1661. Einschlebung nach KĀM. NĪTIS. 5, 91. KATHĀS. 22, 232. BHĀG. P. 4, 12, 1. 19, 15. MĀRK. P. 114, 1. मधुमोसं MBH. 7, 2764. परपरिवाद° Spr. 174. 3215. आकार° PANĀT. ed. orn. 41, 13. निवृत्त so v. a. विरक्त der der Welt entsagt hat BHĀG. P. 3, 16. 19. 7, 13, 25. — 7) sich losmachen —, sich befreien von Etwas: मृत्योः MBH. 1, 6760. पापात् BHAG. 1, 39. मोक्षात् R. 3, 29, 15. sich lossagen von Etwas: निवृत्ता ऽस्म्यद्य याजनात् MBH. 14, 127. sich lossagen von einem